

प्राधकार सं प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 221

नई बिस्सी, शनिवार, जून 1, 1991 (ज्येष्ठ 11, 1913)

No. 221

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 1, 1991 (JYAISTHA 11, 1913)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी काती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

## भाग ।।।--खण्ड 4

(PART HI—SECTION 4)

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूजनाएं जितमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सिम्मिलत हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1991

सं० एत: 15/13/2/1/91—यो० एवं वि० (2)— कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य वितियम 1950 के विति-यम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948(1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-5-91 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिसमें उकत विनियम 95-के तथा असम कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1955 में निर्धेष्ट चिकित्सा हितलाम असम राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के पांच्यारों पर लागू किये जायेगें। अर्थात्

क० राजस्य ग्राम का नाम व सं० नगर पालिका सीमायें	मौजा व तालुक	जिला
1. नागांव नगर पालिका क्षेत्र	नगर नगर	नागां <b>व</b>
2. हैवर गांव	नगर	नागांव
<ol> <li>औद्योगिक क्षेत्र इटाचली</li> </ol>	नगर	नागांव
4. पानीगांघ	नगर	नागांव
<ol> <li>कटीमारी पथर, हरापट्टी</li> </ol>	नगर	नागांव
6. बरमेटा	कच्चाधारी	नागां <b>य</b>
7. खुटी कटिया	कच्छामारी	नागांव
8. सेंचोवा	कच्चामारी	नागांव
	<del></del>	- <del></del>

(1875)

1---89GI/91

## विनांक 8 मई 1991

सं० एन: 15/13/12/1/91—यो० एवं थि०(2)— कर्मचारी राज्य सीमा मामान्य विनियम 1950 के विनियम 95-क के माथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948(1948 का 34)की धारा 46(82) द्वारा प्रदक्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-5-91 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा राजस्थान कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ राजस्थान राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेगें। अर्थात्

"जिला एवं तहसील राजसंमद के राजस्य ग्राम राजनगर जायद और कांकरोली के अर्न्तगत आने वाले क्षेत्र"।

सं० एन: 15/13/2/4/88—पो० एवं वि० (2)— कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम 1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-5-91 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा असम कर्मचार्ग राज्य बीमा नियम 1955 में निद्युट चिकित्सा हितलाभ असम राज्य के निम्निखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेगें।

## अर्थात्

क० राजस्य ग्राम का नाम सं०	मौजावतालुक जिला
1. बोंगई गांव शहर	दीही विरक्षारा बोंगई गांव
2. नया बोंगई गांव	दीही विग्झारा बोंगई गांव
3. चपागुरी	बिजनी बोंगई गांव
4. ढाली गांव	दूसराभाग बोंगई गांघ सीधी
5. औद्योगिक स्टेट	
(नया बोंगई गांव)	बोईटा मारी बोंगई गांघ
	ए० सी० जुनेजा निदेशक (योजना एवं विकास)

केन्द्रीय भिषय निधि आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 अप्रैस 1991

सं० एफ०पी०-1 (133)91(608) — जहां मैसर्स राइटस, नई विल्ली हाऊस, 27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली -1 कोड़ संख्या ई/डी०एल०/5633— ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनयम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 (1—सी) के अन्तर्गत कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 में छूट प्रवान करने के लिए संलन्न पिशिष्ट-1 में जिनके नाम वर्शाये हैं, ने अपने कर्मचारियों के सम्बंध में आवेदन भेजें हैं।

चूंकि मैं, बरु नारु सोम फेन्द्रीय भविष्य निधि आंयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि भारत सरकार पेंशन नियम (सीरु सीरुएसर पेंशन नियम) के अन्तर्गत परिकार पेंशन के रूप में लाभ जो कि उक्त स्थापना के कर्मचारियों पर लागू है, कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत उपबन्ध लाभ से अधिक अनुकूल है।

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1-सी) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं वं ना सीम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त स्थापना के कर्मचारियों को जैसा कि इस अनुसूची-1 में दिया गया है, जो कि उक्त स्थापना में आने से पूर्व केन्द्रीय सरकार की नौकरी में थे तथा सी सी अपने से पूर्व केन्द्रीय सरकार की नौकरी में थे तथा सी सी अपने से पूर्व केन्द्रीय सरकार की नौकरी में थे तथा सी सी अपने के प्रयोग नियमों द्वारा शामित थे निम्निष्वित शतौं पर अधिमूचना के जारी होने की तिथि में कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के सभी उपबंधों को लागू करने से छूट प्रदान करता हूं।

- 1. ये कर्मचारी छूट की तिथि से कर्मचारी परिवार पेंगन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत किसी लाभ के पास नहीं होंगे।
- 2. कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 से छूट प्रदान करने के लिए एक बार दिया गया विकल्प अंतिम होगा।
- 3. उक्त प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित नियोक्ता संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को वे रिटर्न भेजेगा, वे लेखे तैयार करेगा और निरीक्षण करने की वे सुविधाएं देगा जिसे समय-समय पर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निदेश करेगा।

अनुस्ची-1 संथापना राइटस नई विल्ली हाऊम, 27, बाराखंबा रोड, नई विल्ली

1. श्री पुरुषोतम कपूर	कोड सं०	ई/डी एस  5633 बी2  174 सफदर जंग
2. श्री प्रभजोत्त सिंह	"	एकलेब, नई दिल्ली-29 मन्नं 8, रोड, नं 9 पंजाबी बाग एक्टेंगन, नई दिल्ली-26।
3. श्री णार० कृष्णामूर्ति	"	14 इरोसम रोड नन्नारपुरम तिव्ची— रुपाली-620020।
4. श्री एन०बी० माही		गांव चैनपुर, पो० आफिस टोन्डा जिला गोरखपुर ऊ० प्र०

5. श्रीपी० बीमुखर्जी	कोड सं०	59बी डायमंड हरबोर रोड पो०अ० बारीशा कलकत्ता-8	21. के०के० वारियर	कोड सं०	20 एस आइ पी फलोनी, ननगनलूर मद्रास-61
6. श्री अलोक कु	"	24-डी देशप्रिया पार्क वेस्ट कलकत्ता -26	22. के जया कुमार	***	एम 83/5 2 (दूसरा) कास, बंसत नगर, मदास-90
7. श्री अशोक कुमार दत्ताचाऊद	"	फलैट ए-1, 31 हरीनाथ डी ई रोड,	23. टी०बी० सेशदरी	, ,	नं० 1160 फीट रोड बैंगलूर-79
<ol> <li>अफ्रिट्रया चत्रबर्ती</li> </ol>	"	कलकत्ता-9 गांव पैकपारा, पो० अ०निमता कलकत्ता-49	24. एम० कृष्णाकुमार	,,	एएच 175, अरवली फलैटस, अन्ना नगर मद्रास-40
9. त्लाल चन्द्रराजेना	"	गांच हरिरा (हिला <b>ब</b> - टाला) कलकत्ता-59	25. एम० रमेश	,,	सी-2, प्रसन्थी एपार्ट- मेन्टस टी०पी० एम मिश्री, स्ट्रीट तिरुन्मरू-
10. वलीप कुमार दास	,1	3/1 मैंघनासाहा रोड दोम दीरा, कलकत्ता -74	26. आर०के० वैधनाथन	1,	यर, मद्रास-41  बी 41, बिल्डर पार्ट  ब्लाक 1 एयरपोर्ट
11. चितरंजन मेन गुप्ता	"	1/1ए, तारा रोड, कलकत्ता-26			रोड की दिहाली बंगलौर-17
12. बी०ए.म० शर्मा	<b>)</b> ?	1-सी, न्यू लयालपुर कलोनी, कृष्णा नगर,	. 27. के॰पी० एम० कुट्टी	1)	बी॰पी॰ हाऊसचुगम पापीनिसारी-सी 705 सी
13. कृष्णामोहन	"	विल्ली-51 एम आई जी-44 पॉक्ट डी-10, सेक्टर 7 रोहनी, नई दिल्ली-	28. पी०एम० पिल्ले	"	जयंती हाऊस, थामान- पलिल चेरावली कयानगुलम, केरला 69050
14. जे॰बी॰टा	"	85 8, रायपुर पो० अ०	29. एम०सी० वेनूगोपाल	"	नं०51, मेहतानगर, मद्रास-51
	31	काशीर, जिला बुस्लवर	30. के० रघु <b>राधव</b> न	,,	189-नागाप्पानगर चरोमपितम, मद्रास-44
15. एस०के० सूद	•	फँसट एफ, 2 सरा- वन्ती/153/1, जेस्सोर रोड कलकत्ता ।	31. एस० भ्रार० केरूर		कास बाएसवेश्नर नगर बैंगलौर-79
16. श≆ती पदा राये	,,	11/40, इडोसन रोड, दुर्गापुर-713205	32. बी०सी० अचारी	"	5-12-5 बोवयतोसा बोध पोटूनी-533401
17. एस०के० भनोट	"	(पू॰ बंगाल) 437, नीलगिरी एपार्ट- मेंट नई दिल्ली ।	3 3. क्रष्णामुरारीलाल		एफ-15 साऊथ एक्स पार्ट-1 नई विल्ली ।
18. भीम सेन	,,,	सी 43ी/42 सी जनक- पुरी, नई दिल्ली ।		एल. आ	<b>इ</b> <sup>°</sup> . ∕ एक्जम∕ 89 <b>∕भाग</b> -1≀
19. एस वर्दाराजन	,.	4/2 गिरी रोड सेंट्रल, टी० नगर, मद्रास-17	733—जहां अनुसूची-1 में इसमें इसके परचात् उक्त स्थ निधि और प्रकोर्ण उपबन्ध अ	पनाकहा	गया है) कर्मचारी <b>अविषय</b>
20. एम० श्रीनिवास	,,	नं० 102716, 16वीं सेंट्रल कास रोड, एम० के०बी नगर, मद्रास-61	19) की धारा 17 की उपध आवेदन किया है (जिसे इसम् कहा गया है)।	गरा 2 (क)	के अन्तर्गत छूट के सिए

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आय्क्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोिक एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्कूल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (कं) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा इसके साथ संख्यन अन्सूची में उल्लिखित शतों के अनुसार में, बी. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त विशाखाधटनम ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

## अनुसूची-।।

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परवात नियोजक कहा गया हैं) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आय्क्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण को लिए ऐसी सृविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के सण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, क्षीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय जादि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक ह्यारा विया जाएगा।
- 4. नियोजक, क्रेन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित साम्हिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रविधित करोगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना मे नियों जित किया जाता है तो, मियों जक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरमा वर्ज करोगा और उसकी बाबत जावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करोगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हु<sup>5</sup> तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हो ।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हीते हुए भी यांद किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राधि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निदंधियों को प्रतिकर के रूप में दिनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. नामूहिक बीमा स्कोम के उपचन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने में पूर्व कर्मचिं रयों को अपना इण्डिकीण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणबन्न स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रवुद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने मं सफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है , छुट रव्य की जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वार। प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सदस्यों के नामनिवर्षिततों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवानि हिनों/विधिक वारिशों की बीमाकृत राशि का संदाय सत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि आप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्चित करेगा।
- रां. 2/1959/डी. एलं. आई./एक्यम/89/धाग-1/739—गहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्साओं ने (जिसे-इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी मिष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19)

की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के सिए आवेदन किया है (फिस् इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

भूकि में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से मंतुष्ट हू कि उथल स्थापना के कर्मचारी काई अलग अजन्दान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप मं भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, वो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सह-बद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अत:, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपधारा 2(क) ब्लारा प्रवत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों को अनुसार में, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभाषी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कीयम्बटूर ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता है।

## अन्सूची---1

ऋम स०	स्थापना का नाम और पता	कोड़ सख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ०नि०आ० फाइल नं०
	मैसर्स भाउथ इन्डिया स्टील इन्डस्ट्रीस, 110/1, बी, नट्टामनगलम, मेन रोड, पोस्ट बाक्स नं० 207 स्लीम-636 002	टी०एन  7429	1-5-88 च 28-2-90	2/3434/91— डीः एस०आई०
	मैंसर्स श्री मोनाक्षीपफाउनडरी, 177ए, एरोडम रोड, सिन्गानालुर (पी० औ०) कोयम्बट्टर641005	दी०एन० 7807	1888 से 31791	2/3428/91→ डी०एल०आई०
	मैसर्स सेन्द्रल इन्जीनियरिंग वर्कस, सेन्द्रल स्थडीज कमपांउड, विची रोड़, सिंगनालुर (पो०ऑ०) कोयम्बट्रर~641005	टी०एन०/8787	1~8-88 से 31~7~91	2/3426/91- डी०एल०आई०
	मैसर्स रंगावेल इन्डस्ट्रीज, 5/44, ए मेथुपालयम रोड़, षुदियानर, कोयम्बट्र-641034	टी०एन०/10830	1-12-88 से 30-11-91	2/3415/91 <b>~</b> डी०एल०आई०
	मैसर्म अरूलमिगु कुमारगिरि स्पीनिंग मिल्स (प्रा०) लि० सन्यासीजुन्डु (पो०ओ०) सलोम~636 003	टी०एन०/17703	1-12-89 स 30-11-92	2/3425/91~ डी०एल०आई०
	मैसर्स अनाईसथा टामगोट्ट कारपोरेशन भाराती पुरम, मलीम, मेन रोड, धर्मपुरी636705	टी०एन०/21288	1~4~87 से 28~2~90	2/3266/90 डी०एल०आई०
7.	मैसर्स सेप्तागिरि स्पीनिंग मिल्स (प्रा०) लि०, 134 न्निची रोड, कनापालयम पोस्ट सूलर (जाया) कोयम्बट्र641402	टी०एन०/21312	1→3→89 सें 28→2~90	2/3431/91⊸ डी०एल०आई०
8.	मैसर्स नेजनल मशीन वर्कम, वराथी नग गनपिन, कोयम्बट्र-641006	टी०एन०/21423	1-8-89 से 28-2-90	. 2/3429/91~ डी॰एल०आई०
9.	मैसर्स जयालक्षमी मशीन वर्कस, बराथी नगर, गनपति, कोयम्बट्ट्रर-641006	टी०एन०/21425	1−8−89 से 28−2−90	2/3427/91 डी०एल०आई०
	मैंमर्स मे <u>ड</u> ुर स्पीनिंग मिल्स प्रा०लि० मि <u>ड</u> ुर डम∼636401 जिला—सतीम	टी॰एम॰/1160	1-1-90 से 28-2-90	3/4/90— শী ০ ঢ্ল ০ আর্ছ

## अनुसूची -II

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भोजेगा और एरेगे लेखा रहेगा स्था निरक्षिण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार वृवारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संकोभन किया जाए, तब उस संकोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्स अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य क रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संबस्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अभीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अभीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृजित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अभीन उपलब्ध लाभों से अधिक बनुकृत हो को उक्त स्कीम के अभीन अनुकोय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हीते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अभीन संचंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्म चारी के विधिक वारिस/नाम निवंधितों को प्रतिकर के रूप में बोनों राशियों के अंसर बराबर राशि का संवाय करोगा।
- 8. सामृहिक नीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया आएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां कोवीय

- भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोधन वोने संपूर्व कर्म-चारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यृक्तियुक्त अवसर वोगाः।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम की, जिसे स्थापना पहले अपना चूकी है, अभीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अभीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रहद की आ सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारी के भीतर को भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रवद की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्यारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवर्षितों या विधिक वारिसों को जो यवि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के बंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम को अधीन आनं वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्धितों/विधिक वर्षिशों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परसा सं और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।
- सं. 2/1959/डां. एल, आई/एक्जम/89/भाग-1/745---जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवंदन किया है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

णूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात सं संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्रीहक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकुल हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया हुँ)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा 2(क) व्यारा प्रवत शिक्तयों का प्रयोग करते तुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-धी में उस्तिवित शर्तों के अनुसार में, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में उस्ति-धिना पिछली तारीं से प्रभावी जिस तिथि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त विशासापट्नम ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता है।

# अन्सूची- $\Pi$

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रवान करोगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि अयुक्त, समय-समय पर निधिष्ट करो।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामूहिक वीसा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीसा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक दुवारा दिया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमोदित साम्हिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की रहू-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्शित करोगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिक्ष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है, ती नियोजिक सामृष्टिक बीशा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तरन्त वर्ज करेगा और उनकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबन्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढाए जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूस हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मत्य पर इन स्कीम के अधीन संबोध राणि उस राणि में कम है जो कर्मचारी की उस दशा में मंदीय होती जब बहु उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदीशितों की प्रनिकट के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करना।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएक और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन होने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर होगा :

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन धीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, िए से स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने थाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो गह रबद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निदिव्यक्ति तों या विधिक वारिसों को जो यवि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार राम रिदांशिक्षों/विधिक वारिसों की वीमाकृत राशि प्राप्त होने से एक माह के भीतर स्निश्चित करोगा।
- सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/751—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिज्ञ निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छ्ट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।
- चूँिक मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंश-धान या श्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्रेप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।
- उतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्यारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके राथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शतों के अनुसार में, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त करेल ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्यत ढील प्रदान की है, 28-2-90 तक की अविधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

## अनुसूची- II

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आग्वत, का ऐसी विवरणियां भेषेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आग्वत, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. निरोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने बाले सभी व्ययों का वहन नियोजक दवारा विया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और लब कभी उनके संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मधारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बाहों का अनुवाद स्थाणना के मृचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी प्रविष्य निधि का गा उकत अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की प्रविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में निरोणिक किया जाता है तो, नियोजक सामहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाहत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढाए जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्बित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हैं।
- 7. साम्हिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दक्षा में संबंध होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निव्योचितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संबंध करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां ेही। भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इन्दिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्था-पना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों का प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हा जाते हैं तो यह रबद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियस सारीख से भीतर जो भारतीय जीवन बीका निगम नियत कर, प्रीमियम का संवाध करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छाट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितां या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकबार नाम निद्<sup>2</sup>िकतों/विधिक धारिकों को बीमाकृत राशि प्राप्य होने के एक माह के भीतर मनिश्चिस करोगा।
- मं. 2/1959/डो. एल. आई /एक्जम/89/भाग-1/757--जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा ग्ला है)।

चूंकि मैं, धी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, इस बात से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेण सहबद्ध बीमा स्कीम. 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकाल है। (जिसे इसमें इसके पञ्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूत्ती-।। में उल्लिखित शर्ती के अन्यार में, बी. एन. संम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-। में) उल्लिखित पिछली तारी इस प्रभावी जिस किथि से उन्तर स्थापना को क्षेत्रीय भविषय दिशि आयुक्त आन्ध्रा प्रदेश ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष को अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हैं।

# अनुसूची-।।

1. उक्त स्थापता के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके प्रकात् नियोजक कहा गया है) मंबंधित क्षेत्रीय प्रतिष्य निधि आप्रकत, को एोसी विवरणियां भेजेंग और एोसे लेका रहेगा तथा निरीक्षण के लिए एोसी स्विधाएं प्रवान करोगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करों।

- 2. नियोजक एसे मिरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की ममाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करोगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रवासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाय शावि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक व्वारा विया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदित साम्हिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मजारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सृजना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का गा उक्त अधिनियम के अधीर छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है हो, नियोजिक साम्हिक बीमा स्कीम के सदस्य के क्या में उसका नाम स्रन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निरम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढाए जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोग, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जे उक्त स्कीम के अधीन अनुकेश हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संबोध राजि उस राशि से कम है जो कर्मचारों की उस दशा में संबोध होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवासितों की प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बरावर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामहिक शीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित कोत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पर्य अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएका और अहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की संभावना हो. वहां कोत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्तियुक्त अवसर देश।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना 2--- 89GI/91

- पहले अपना चुकी हैं, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम को अभीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश निगोजक उस नियस कारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर, प्रीमिंगम का संबाध करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रव्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिकार की वहा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक बारिसों को जो यवि यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व रियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवाधिकां/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि आप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्चित करेगा।
- सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/763—जहां अनुमूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिमें इसमें इसके पहचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कमचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिमे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चृंकि मैं, दी एन सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंघवान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्हिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोिक एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्क्ष्ल हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चान स्कीम कहा गया हैं)।

असः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपभाग 2(क) द्वारा प्रदक्ष शिक्तरों का प्रयोग करते हुए तथा इनके साथ मेलन अनु-सूची-।। में उल्लिखित कर्तों के अन्सार में, की. एन. सोम, एक्पेक एकत स्थापना को प्रत्येक के सामने (शनसूची-। में) उल्लिख्त को प्रत्येक के सामने (शनसूची-। में) उल्लिख्त िखन पिछली तारीख से प्रभावी िएस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कोयम्बट्र में स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत कील प्रवान की है, 3 वर्ष को अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचानन की छूट दोता हूं।

अन्सृ र्च	Ť 1		
			<del></del>
	कोड	<b>छूट की</b>	के०भ०नि०आयुक्त
	संख्या	प्रभावी	फाइस नं०
		firfin	

कम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड े संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि०आयुक्स फाइल नं०
1	2	3	4	5
1.	मैसर्स इन्डस्ट्रील कारपोरेशन लि॰ युनिट कौठारी टैक्सटाइलस मिल्स नं॰ 1 सिंगागालुर, पो॰ओ॰ कीयम्बटूर-641005 रजिस्टर्ड आफिस के साथ कोठारी बिल्डिंग-1142117, नगमबाककीम हाई रोड मद्रास-700034	टी∘एन∘/67	11188 ₹ 311091	2/3451/91— डी॰एस॰आई॰
2.	मैसर्स धर्च आफ साउथ इन्डिया, हास्पीटल धर्मपुरम परिवार जिला पिन नं०638656	टी०एन०/7607	1-12-88 से 28-2-90	2/3452/91— डी०एल०आई०
3.	मैसर्स अवनशी इन्जनियरिंग क० चेपुर रोड़, अवनशी638654	टी॰एन॰/16846	1~5~89 स 28~2~90	2/3453/91~ डी०एल०आई०
4.	मैसर्स दि परिवार को-आपरेटिव, पिन्टग वर्कम सि० परिवार जिला, नगर इरोड–638001 परिवार जिला, तमिलनाडू	टी०एन०/21269	1-12-88 से 30-11-91	2/3455/91~ ত্তী গালেওসাৰ্ছত
5.	मैसर्स एन०एस०के० टैक्सटाइलस प्रा० लि॰, $10/32$ ए, पालापालयम पोस्ट, सुलर (घाया) कोयम्बटूर	टी०एन०/21887.	1989 सें 301191	2/3454/91— ভী০্চল্ল আৰ্ছত

# अनुसूची II

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पहचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विषयणियां भेजेगा और एसे लेका रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी स्विधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. निगोजक, ए'से जिरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार. उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के लंड-के के अधीन समय-समय पर निधिष्ट करों।
- 3. सामहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियां का प्रस्तत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी तै, होने वाले सभी व्ययों का उहन नियोजक द्वारा विया जायेगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामहिक औमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें मंशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मृख्य बातों का जनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवित्ति करोगा।

- 5 यदि कोई कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजिस किया जाता है तो, नियोजिक सामहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवस्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निरम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बलाए जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकोष हैं।
- 7. गाम्हिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हाए भी यदि किसी कर्मचारों की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि में कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो. नियोजक कर्मचारी के विभिन्न वारिश/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में बोनों गिशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8 सामहिक बीमा स्कीम के उपवंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्ट निधि आयुक्त के वर्ष अनुमोदन के विना नहीं किया आएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के

हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन बने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

e deservations and all sections

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मसारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृष्टिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रह्द की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करने, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सुकती है ।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यें के नाम निविधितां या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतगी; हाते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन माने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निद्धितों/विधिक वारिशों की बोमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सः 2/1959/की. एल. आई./एकजाम/89-भाग-1/769--- जहां अनुसूची-। में उल्लिखित नियंक्साओं ने (जिसे इसम इसके परचात् उकत स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य जिथि आर प्रकीण उपबंध अधिनयम, 1952 (1952 का 19) क्ष्म भारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छुट के लिए बावेदन किया है (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूं कि मैं बी. एन. सोम, केन्द्रीय शिवस्य निधि आयुक्त इस यात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग शंद्रयान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा अदत शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुभूची में उल्लिखित शतों के अनुसार में बी. एन. सोम, प्रत्येक उन्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिज्ञ निधि आयुक्त मद्रास ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतरित डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट देता हैं।

अनुसूच (-- 1

क्मासं० स्थापनः कानामाओर पता		कोड़ संख्या	ष्ट्रट को प्रभावी ८-८-	के०भ०नि०आ० फाइल नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	( <sup>4</sup> 5)
<ol> <li>मैं सर्च वौरागावा टैक्सटाइस्ल (प्रा.) लिमिटेड, उद्योगामीर→603406</li> </ol>		टी∍एन०/7768	1-8-88 से 30-7-91	2/3445/91 डीरएस०आ <b>ई०</b>
<ol> <li>मैसर्स यि लुथेरंन किसॉटअन हैल्य एण्ड मेडिकल रोन्टर अम्बुर-635 802 एन०ए०जिला</li> </ol>		टी०एन०/10759	1-3-89 से 28-2-92	2/3445/91 डी०एन०आई०

## अनुसूषी 🖖

- 1. उत्रत स्थापना के सम्बन्ध मा नियोगिक (जिस इसके एसको परचान् नियोजिक कहा गया हाँ) सम्बन्धित क्षेत्रीय स्थिप्य निधि आयुक्त. को ऐसी निवरणियां भेजेंगा और ऐसे लेखा रखेंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय स्विष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक, एमि रिरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा को केन्द्रीय सरकार, उन्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिण्ट करों।
- 3. साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन मों, जिसके अन्तर्गत लगाया का रखा जाना, विवर्णियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा अन्ययम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्ण गिरीक्षण प्रभार का संदाय, बोने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक इनारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मादित साम्हिक तीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संद्रोधन किया जाए, तब उस संद्रोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करोगा।

- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जे कर्मचारी भविष्य निधि का या उबत अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृह्हिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करेगा।
- 6. दिस उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध ताभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदोय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदोध होती जब वह उद्धत स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निद्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवष्य आयुक्त के पूर्व अनुमीदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारिशों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संशोधन हो. वहां क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त अयना अनुगोदन वोने से एवं कर्मचारियों को अपना इण्डिकोण स्पष्ट करने का युधित-युक्न अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारो भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बासे साथ किसी रीति से कम हो जाते हैं सो यह रख्य की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश निशेषिक उस नियत तारीख के भीतर को भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करों, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है सो छूट रद्द की जा सकती है।

- 11. नियां जक ब्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए कि सी ज्यतिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवां शितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उकत स्कीम के अंतर्गत होते, शीमा नाभों के संदाय का उत्तरवायित्व नियां जक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकवार ज्ञम निविद्याला विधिक वारिशों की त्रीमाकृत राशि का संवाय सस्परता से और प्रस्थेक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करोगा।
- सं. 2/1959/डो. एल. आई./एक्अम/89/भाग-1/775--अहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिक्षण्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि म<sup>4</sup>, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी को इं अलग अंश-दान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का साभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप महत्रद्थ बीमा स्कीम 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक उन्हें कू हैं (जिसे इसमें इसके पर्षात् स्कीम कहा गया हैं)।

अत. उसर अधिनयम की धारा 17 को उपधारा 2(क) द्वारा दिया रिक्सों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनु-स्की-।। में उल्लिखित कर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. संग्रं, प्रश्यंक उक्त स्थापमा की प्रत्यंक के सामने (अनुमूची-। में) उल्लिक्त विश्व पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि में उक्त स्थापना की अभीन भविष्य रिधि आयुक्त कोयम्बद्द ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ठील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट दोता हों।

अनुसूची-1

क्रमस०	स्थापना का नाम भौर पता	कोड म०	छूट की तिथि	के० म० नि० आ <b>गुक्</b> स फाईल नं०
1	2	3	4	5
1. मैम मंज्	इंल्कट्रीकल्स इंडस्ट्रीज	टी॰एन०/7169	1-3-88 से	2/3497/91
रोड, म	2वां कि मी पुराची लुमीचामपती पोस्ट, टुर⊸641 021		28-2-91	डी एल आई
पुलनको	० टी० वी० स्पीनंश प्रा० लि० नर, (पो० आ०) उदमलपेट ० कोयम्बटूर जिला गढ	टी०एन०/10661	1-3-89 से 29-2-92	2/3495/91— डी०एल०आई०

1	2	3	4	5
3. фо	<b>डी</b> ० बी० काटन मिल्स	टी०एन०/17775	1-8-88 से	2/3499/91
नारा	लि॰ एस॰ एफ॰ न॰ 206, सिमनाइकयलायम कोयम्बटुर । 031, तमिलनाडु		31~7~91	डी <b>०एस</b> ं आई०
4. मै०	श्री अरबी इलैंक्ट्रीडिक्स	टी०एन०/21480	1-2-88 से	2/3500/91
	, करमादी⊸641104 म्बट्र जिला, तमिलनाडु		31-1-91	डी० एल०आई०

# अनुसूची-।।

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पहचाद नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविषय गिधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें:
- 2. नियोजक, एंसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामृंहिक बीमा स्काम के प्रशासन में, जिसके बन्हर्गत संखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लंखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का सवाय आवि भी है, होने बाले सभी व्ययां का बहन नियोजक बुवारा विया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार ब्वारा अनुमाधित सामृहिक दीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जायं, सब उस संशोधन की प्रति तथा कमंचारियों को बहु-संस्था की भाषा में उसकी मृक्य बातों का बनुवाद स्थापना के सुकना पट्ट पर प्रविश्ति करेगा।
- 5. यवि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निध्य के या जक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निध्य किसी स्थापना में नियोजित किया जाता है हो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत बाबद्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्श करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बक्य जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों की उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अभीन संदेय

राशि उस राशि से कम हैं जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोचक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर कें रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संबोधन सब्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संबोधन से कर्मशारियों के हिल पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, नहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मशारियों का बचना इिट्फोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन कीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहल अपना चुकी हैं, अधीन नहीं रह जाता हैं या इस स्कीम के अधीन वर्धनारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से क्षम हो जाते हैं तो यह रख्व की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीच के भीगर जो भारतीय जीवन नीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का सवाध करने में असफल रहता है और पालिसी को स्थायनत हो जान दिया जाता है ता छूट रव्द की जा सकती है।
- ा नियोजक ब्लारा प्रीमियम के संवाय में किय गया कसा व्यक्तिकम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवर्णियों वा विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गर्छ होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होंगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निविधितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्नित करेगा।

## विनांक 13 मर्घ 1991

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/, 781--जहां मेंसर्स महोद्दरी मिल्स लि. बाहीबाग रोड, अहमवाबाद-380014 (जी.जे/309) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की

धारा 17 की उप-धारा 2 (क) के अनार्गत छूट के विस्तार के सिए आयोदन किया है, (जिसे इसमें इसके पश्चाप उक्ष्त अधि-नियम कहा गया है)।

मृंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भार-तीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक बनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चान स्कीम कहा गया है). 1.

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्यारा प्रवस शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मन्त्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संन्था एस-35014/146/82-पी एफ-2 (एस.एस.-2) तिथि 21-4-86 की अनुसरण में तथा संस्था अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी एन सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और अवधि के लिए छूट प्रदान करता हु, जो दिनांक 4-9-88 से 3-9-91 तक लागू होगा। जिसमें यह तिथि 3-9-91 भी शामिल है।

# अनुसूची-II

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिस इसमें इसके पर्वात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि बायुक्त, को एसी विवरणियां भंजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रवास करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि बायुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोखक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाच्या के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त व्यथिनियम की भारा 17 की उपधारा (3-क) के कण्ड-क के व्यथिन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत संबाद्यों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा विवा जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें गंद्रोधन किया जाये, भव उस संद्रोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुखना पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- े 3. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का<sub>र</sub>मा **उक्त अधिनियम के अधीन छ**ूट प्राप्त किसी स्थापना की

भिवाष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

:-\_.:=*:*\_.\_.\_.

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ायं जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभें में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रोय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मधारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मधारी की उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मधारी के विधिक वारिस/नाम निवेशितों को प्रतिकर के रूप में दोनें राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम कं उपबन्धों में कोहं भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिमा नहीं किया जायेगा और जहा किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हों, यहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना द्योष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोंगा ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीम कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं हा यह रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रव्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदंशियों या विधिक धारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निदं किताँ/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माद्व के भीतर मुनिष्चित करेगा ।

सं. 2/1959/डी एल आई /एकजाम/89/भाग-1/787—जहां मैंसर्स आन्धा प्रदोश टैन्रीज लि., लैंदर कम्पलैंक्स एरिया, नेलीगरला-531217 (ए.पी./5498) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसी इसमें इसके पष्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अदायनी किये दिना जीवन बीमा के रूप में भार-तीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उटा रहें हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्कृल हैं (जिसे इसमें इसके परचात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्न अधिनियम को धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए नथा श्रम मन्धालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त की अधिस्चन संस्था एस-35014/42/84-एफ.पी.ची. (एस.एस.2) दिनांक 19-3-87 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुमूकी में निर्धारित शर्मों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के मभी उपदन्धों के संचालन से उदत स्थापना को और 3 वर्ष की अविधि के लिए छूट प्रदान करता हुं, जो दिनांक 9-6-90 से 8-6-93 तक लागू होगा जिसमें यह निधि 8-6-93 भी शामिल हैं।

# अनुसूची-11

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पदचात नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रहेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय मविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके श्रेतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हु, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा विया जाएगा।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यास अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संग्रेश्यन किया आए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुबाद स्थापना के सचना पट्ट पर प्रविधित करोगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी मिवष्य निधि का या अक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना भी भिवष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना भी नियोजित किया जाता हैं तो, नियोजिक सामृहिक नीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ष करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीसियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जामें की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के किए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अध्यक्ष हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनजेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हारे हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संबोध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दक्षा में संबोध होती, जब वह उक्स स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में बोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करगा।
- 8 सामृहिक बीसा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोधन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मधारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मधारियों की अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्तियंक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी' भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सांमूहिक बीमा स्कीम के, बिसे स्थापना पहले अपना चूकी है, अधीन नहीं रहं जाता है 'बा इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने थाले लाभ किसी रीति हो कम हो जाते हैं तो यह रक्ष की जा सकरी हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियस तारी के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करो, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्त तो जाने विया जाता है तो छाट रदद की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम को संदाय में किए वए किसी व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सदस्यों के नाम नियाबिती या विधिक वारिशों को जो मंदि यह कृट न दी गई होती ती

जक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तर-वायित्व नियोजक परु होगा।

- 12 : उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निवर्भेशितों/बिधिक बारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होते के एक माह के भीतर सुनिश्चित करोगा।
- सं. 2/1959/बी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/793—अहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं हे (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आधेवन किया है (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चृंकि मैं, बी. एन. संस्म, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अधायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकूल हैं। (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) ब्बारा प्रवस शिक्तगों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुस्की-11 में उल्लिखत शर्तों के अनुसार में, दी. एन. संग्र, प्रस्थंक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिक्त पिछली तारीख से प्रभावी जिस शिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गुजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतरत ढील प्रवान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट दोता हूं।

अनुसूची⊸1

3

क्षेत्र गुजरात

कम स० स्थापनाकानामऔरपता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ०मि०आ० फाईल न०
1 2	3	4	5
<ol> <li>मै० चारोत्तर ग्रोमोघर सरकारी मङ्गल लि० वल्लभ विद्यानगर 386120 गुजरात</li> </ol>	जी जे/31–सी	1-9-89 से <sup>३</sup> 31-8-92 ∰	2/3432/91 <mark>इ</mark> डी एल आई
<ol> <li>मैं० स्टूमज कारबन इलैं० प्रा० लिं० 43/1 जी०आइ० डी०सी० एस्टेट, कलोल (एन जी)</li> </ol>	जी जे /11351	1-3-89 से 31-1-92	2/3434/91 डी एल आई
उमै० कलर लीख, 1→ए, सुहासनगर स्वास्तिक सुपर मार्किट के पास आक्षम रोड अहमवाबाव→ 380009(इस की कांची सहित जो इसी कोड न० के अतर्गत आते हैं)	जी जे/6230	1-7-89 से 30-6-92	2/3435/91 डी एल आर्ड

# बनुसूची-।।

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके प्रवाद नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय अविषय निधि आयुक्त, को एसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समास्त्रिक को 15 दिन के भीतर संवाय करोग जो केन्द्रीय मरकार,

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के कण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट कर<sup>3</sup>।

3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा आना, विवरणियों का प्रस्तृत किया आना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी त्ययों का वहन नियोजक व्वारा विया आएगा ।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुं-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्चना पट्ट पर प्रविश्वास करेगा [1]
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में निये जित किया जाता है तो, नियोजक सामृह्कि बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम त्रन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदस्य करेगा।
- 6. यिष उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं सो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित 'रूप से विवृध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकाल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकार हैं।
- 7. साम्हिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यिव किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संबोध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबोध होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिन शारिस/नाम निवाधितों को प्रतिकर के रूप में वोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करोगा।
- 8. सामहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बंग्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के पर्व अनमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भित्रिष्य निधि आयक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिख्तोण स्पष्ट करने का यक्ति-यक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारीं भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्था-पना पहले अपना चकी हैं, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रित से कम हो जाते हैं तो यह रदय की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवंश नियोजक उस नियत तारील के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करो, प्रीमियम का मंदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छाट रख्व की जा सकती हैं।
- 11. नियोजक क्वारा प्रीमियम के संवाय में किए एए किमी व्यानिकम की व्या में उन मृत सबस्यों के नाम निद्<sup>र्भा</sup>शियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गर्ड होती सो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायिक नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवांशितों/विधिक वारिशों की वीमाकृत राशि का संदाय त्रस्परता में और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निश्चित करेगा।

## दिनांक 14 मर्च 1991

सं. 2/1959/डी. एत. आर्ड./एक्जास/89/भाग-1/803--जहां मैसर्म प्रीमियर इण्डस्ट्रीज. सी-14/1, जिल्लोपड प्लाटस इस्टेट, त्रिचिरापली-620015, कोड नं. टी.एन/10589 ने कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधि-नियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2 (क) के अन्तर्गत छुट के लिए आर्थेंदन किया है (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चृंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंगवान या प्रीसियम की अदायगी किये दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं. जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबब्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत्य है (जिसे इसमें इसके एक्बाग स्कीम कहा गंधा है)।

अत: उक्त अधिनियम को धारा 17 की उण्धारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शनीं के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित णिछली तारीख में प्रशानी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त मदाराई ने स्क्रीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्क्रीम से संचानन की छूट दोना हो। (दिनांक 1-3-89 में 29-2-92 तक)।

## अनुस्ची-

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आग्वत को एसी विवरणियां भेजेंगा और ऐसे लेखा रक्षेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रदान करोगा जो कोन्द्रीय भविष्य निधि आग्वत समय-समय पर निर्दिष्ट करो।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार. उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम को प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत स्वेताओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरक्षिण प्रभार का

संदाय आदि भी ह<sup>4</sup>, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक वृत्रारा दिया जायेगा ।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जह कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहू-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्ट अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिट बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमिगम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदल करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभ भवाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाओं में समृष्टिस रूप से विदिध किये जाये की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाओं से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकोय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवंधितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करोगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मणारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मणारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यृक्ति-युक्त अवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवं स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्हिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चंकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदंद की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालियी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक क्यारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सदस्यों के नाम-निविधितों धा विधिक वारिसों को जो यदि यह छुट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायिक नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले फिसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निद्धितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत गिश प्राप्त होने के एक भाह के भीतर सृतिदिकात करोगा।
- सं 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-।/
  809—जहां अनुमूची-। में उल्लिखित निरोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधि-नियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चंिक में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निष्ध आयुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उकत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्हिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकाल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) ष्वारा श्रदत शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संख्यन अन्-स्वी में उन्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुस्वी-। में) उन्लिखित पिछनी सारीब से प्रभावी जिस तिथि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त बड़िदा ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत उत्ति प्रदान की है, 28-2-90 तक की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट दोता हूं।

-	الليسية	<b>-</b> -
બાન	स प	1-1

ऋम स ०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	कें० भ० नि०आ। फाइल न०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स रिकी हाईड्रोकार्बनसे लि०, 67, रेस कोर्स, सर्कल, बड़ौदा-390007	जी० जे०/4952-ए	1-1-89 से 28-2-90	2/3466/91- डी० एल० आई०
2.	मैसर्स रिकी इण्डस्ट्रीयल ओएलस, लि०, 67, रेस कोर्स सर्कल, बड़ौदा-390007	जी॰ जे॰/7976	1-1-89 सें 28-2-90	2/3471/91- डी० एल० आई०
3.	मैसर्स एलियो केमीकल्स, 49, जी० आई० डी० सी० मकरपुरा, बड़ौदा-390010	जी॰ जे॰   1002	1-4-88 से 28-2-90	2/3472/91- डी० एल० आई०
4.	मैसर्स डाईनामिक पाकिगईगस 216, जी० आई० डी० सी० मकरपुरा, बड़ौदा-390010	जी॰ जें∘/10788	1-8-88 से 28-2-90	2/3460/91- डी० एल० आई०

## अनुसूची-।।

- 1 उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त, को एसी विवरणिया भेजेगा और एसे लेका रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी स्विधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त सभय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाणि के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनिगम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जायेगा।
- 4. नियोजक, कोन्द्रीय सरकार द्यारा अनुमोदित सामूहिक श्रीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य शातों का अनुवाद स्थापना के सृचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भिवष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिवष्य निधि छा पहले से ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक गामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम गूरना दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबस्त करोगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से बृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्स स्कीम के अधीन अनुकृष हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दक्षा में संदेय होती, जब यह उकत स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिद्धितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित केत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रवद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियन तारील के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस करो, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रद्व की जा सकती है।

- 11 नियोजक ष्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गय किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिवाँशिक्षों या विधिक वर्गिरसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध मों नियोजक इस स्कीम के अधीन बाने वाले किसी सवस्य की मृत्यु होने पर उसके हकतार नामनिवाँ-शितों/विधिक दारिसों की बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा मों भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निश्चित करोगा !
- सं. 2/1959/डी. एल. आई. /एक्जाम/89/भाग-1/815--जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया ही) कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए

आवंदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भिष्ठिष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोिक एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्यारा प्रवत कित्यों का प्रयोग करते हुए तथा इसके माथ संलग्न अनु-सूची में उल्लिखन कार्ती के अनुसार मैं, वी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखन दिख्ली तारी से प्रभावी जिस थिति से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय में विष्य निधि आयुक्त बड़ांदा ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत कीन प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम में गंचालन को छुट देता है।

अनुसूची-I

क <b>्र</b> स०	स्थापना का नाम और पता	कोड स०	छ्ट की प्रभावी सिथि	के०भ०नि० आ० फाइल सं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स एसक्यार इंजीनियर्स , प्लाट नं ० 667, जी० आई० डी० सी०, एस्टेट मेकर पुरा, बड़ौदा-390010	जी∘ जें∘/11709	1-3-90 सें 28-2-93	2/3489/91~ डी० एल० आई०
2.	मैसर्स पंचमहल मीमेंट क० लि०, गांव चापड़ी, पोस्ट बाक्स न० 35, डाहुड़-389151	जी० /जे०/11599	1-3-90 स 28-2-93	2/3490/91 डी० एल०आई०
3.	मैसर्स पात्तवा किनारी वाला इलैक्ट्रोनिक्स, सी-29/ए, सरदार इन्डस्ट्रीज एस्टेट, आजवारोड, बड़ीदा-390019	जी॰ जे॰/12219	1-12-89 से 30-11-92	2/3491/91 डी० एस॰आई०
4.	मेसर्स प्रेरणा कैमिकल्म, जी० आई० डी० सी० नन्देश्वरी-391340, दि⊶-थड़ौदा	जी० जे०/14572	1- 1-88 से 28-2-90	2/3405/91 डी॰ एस॰ आई॰
5.	मैसर्स एडवांस कैमिकल्स (प्रा०) लिमिटेड मैटरुकरुपा, 58, सम्पतराय कालोनी,	जी० जे०/16814	1-4-90 से 31-3-93	2/3492/91- डी॰ एल॰ आई॰
6.	मैसर्स मैटारिक्स सिस्टमस, सी-29/ए, ग्राउन्ड फ्लोर, सरदार इन्डस्ट्रीज एस्टेट, आजवा रोड, बड़ौदा-390019	जी० जे०/17395	1-12-89 से 30-11-92	2/3493/91- डी० एल० आई०
7.	मैसर्स गिल्ड आरक इलैम्ट्रीकल्स (प्रा०) लिमिटेड, 486/बी-2, जी० आई० डी० सी० मेकरपुरा, बड़ौदा-390010	जी ०जे०/17450	1-10-89 सेग 30-9-92	2/3494/91- की० एल० आई०

## अनुसूची-

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे ध्समें इसके पहचात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि बायुक्त, को एसी विषरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत देखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक वृजारा दिया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित गामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संबो-भन किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या जनत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियो- जित किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबक्त करेगा।
- 6. यदि उनत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ायें जामें हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म- अधिरयों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकाय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किमी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम को अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निवाधितों का प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करना।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना

- नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोबन बोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इंडिटकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर बोगा।
- 9. यवि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त हांने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रव्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवंश नियोजक उस नियंत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियंत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है सो कट रदद की जा सकती है।
- 11. नियांजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यितिकम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निद्रिशातों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती नो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निविधिक विधिक विधिस्तें की बीमाकृत राशि का संदाय सत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निधिकत करेगा।

सं० एफ पी 1(136)91/799 :---जहां मैसर्स इंडियन पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड, जिला बड़ोदरा, गुजरात (जी०जे०/5256) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 17(1सी) के अन्तर्गत कर्मचारी परिवार पेंधन स्कीम, 1971 से छूट प्रधान करने के लिए संलन्न परिणिष्ट-1 में जिनके नाम दर्शीये हैं, ने अपने कर्मचारियों के सम्बन्ध में आवेदन भेजे हैं।

चूंकि मैं, ब०ना० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, इस बात से संतृष्ट हूं कि भारत सरकार पेंशन निधम (सी० सी० एस० पेंशन नियम) के अंतर्गत परिवार पेंशन के रूप में लाभ जो कि उक्त स्थापना के कर्मचारियों पर लागू है कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत उपलब्ध लाभ से अधिक अनुकुल है।

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1-सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं ब०ना० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त स्थापना के कर्मचारियों को जैसा कि इस अनुसूची-1 में दिया गया है, जो कि उक्त स्थापना में आने से पूर्व केन्द्रीय सरकार की नौकरी में थे तथा सी०सी०एस० पेंशन नियमों द्वारा शासित थ निम्नलिखित शर्तों पर अधिसूचना के जारी होने की तिथि

से या नौकरी की अग्तिम तिथि से उन कर्मचारियों के संबंध में जो सरकार के 22-1-90 के आदेश के अनुसरण में 22-1-90 से 21-7-90 के बीच विकल्प देने के बाद सेवा निवृत्त हुए को कर्मचारी पेंशन स्कीम के सभी उपबंधों को लागू करने से छूट प्रधान करता हूं।

- ये कर्मचारी छूट की तिथि से कर्मचारी परिवार पेंगन स्कीम 1971 के अन्तर्गत किसी लाभ के पात्र नहीं होंगे।
- 2. कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 से छूट प्रवान करने के लिए एक बार दिया गया विकल्प अंशिम होगा।
- 3. उक्त प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित नियोक्ता संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की वे रिटर्न भेजेगा, वे लेखे तैयार करेगा और निरीक्षण करने की वे सुविधाएं देगा जिसे समय-समय पर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निवेश करेगा।

ब० ना० सोम केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

## अनुसूची-1

स्थापना

: मैसर्स इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लिमिटेड जिला, बडोदरा गुजरात 1 जी०जे०-5256

कोड संख्या : जी:०जे०/5256

ऋमें र	रिख्या गाम	पता
1.	श्री आर०सी० पारेक	नजदीक इटवारी गहर, पोस्ट आफिस 'वी०एल०' स्लेट कम्पनी के सामने नागपुर-440002
2.	श्री एस०जी० मेख	वी-1 सहयोग, गोरवा, बड़ोदरा- 390016
3.	श्री गोविन्द पाडे	नेनी लोडज (केन्ट). नैनीताल, उत्तर प्रदेश

## EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 7th May 1991

No. N-15/13/2/91-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st May, 1991 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Assam Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Assam namely:—

Name of the Revenue Village and Municipal Li	Mouza & Teluk	District	
Nagao a Municipal Area		Town	Nagaon
Haibargaon	,	Town	Nagaon
Industrial Estate Itachali		Town	Nagaon
Panigaon		Town	Nagaon
Katimari Pathar, Harapa	tty	Town	Nagaon
Barbheta		Kachamari	Nagaon
Khatikatia		Kachamari	Nagaon
Senchown		Kachamari	Negaon

## The 8th May 1991

No. N. 15/13/12/1/91-P&D.—In pursuance of powers conforred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st May, 1991 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Rajasthan Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to he families of insured persons in the following area in the State of Rajasthan namely:—

"The areas comprising the Revenue Village-Raj Nagar, Jawad & Kankroli in Distt. & Tehsil Rajasamand."

No. N-15/13/2/4/88-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st May, 1991 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Assam Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to be families of insured persons in the following area in the State of Assam namely:—

Name of revenue	village		Mouza & Taluk	District
Bongaigaon Town New Bongaigaon. Chapaguri. Dhaligaon.		•	Dihi-Birjhara Dihi-Birjhara Bijni 2nd Part-Sidhj	Bongaigaen Eengaigaen Bongaigaen Bongaigaen
Industrial Estate . (New Bongaigaon)	•	•	Boitamari	Bongaigaon

The second secon

MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY
Dhanbad, the 25th April 1991
CORRIGENDUM

1 196 7811 161 .

No. Board/Coal/91/1882.—In line 2 of column 4 of the English version of the Notification No. Board/Coal/3761/90 dated 18th June, 1990 of the Govt. of India, Ministry of Labour, Directorate-General of Mines Safety published in Part-III, Section-4 at page 2160 of the Gazette of India dated 14th July, 1990, after the words "appearing in two" the word "or" may be inserted.

K. PAUL Chairman Board of (Coal) Mining Examination & Director-General of Mines Safety

## OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110001, the 3rd April 1991

No. FP(133)91/608.—Whereas M/s. RITES, New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi-1, Code No. E/DL/5633, has forwarded application(s) in respect of its employees whose name is/are reflected in Schedule-I annexed for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 under section 17 (I-C) of Employees Provident Funds & Misc. Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

And whereas I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, am satisfied that the benefits in the nature of Family Pension under the Government of India Pension Rules (C.C.S. Pension Rules) applicable to these individual employees of the said establishment are more favourable than the benefit provided under the Employees Family Pension Scheme, 1971.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (I-C) of section 17 of the said Act, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, hereby exempt, the individual employees of the said establishment as given in the Schedule-I to this notification who were under the employment of the Central Government before absorption in the above establishment and were governed by the C.C.S. Pension Rules, from the operation of all provisions of the Employees Family Pension Scheme, 1971 with effect from the date of issue of the Notification or from the last date of service of those who retired after exercising option from 22-1-90. On the following terms and condition:

- 1. these employees will not be entitled to or claim any benefit(s) under the Employees' Family Pension Scheme, 1971 from the date of exemption.
- 2. Option once exercised for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 will be irrevocable.
- 3. The employer in relation to each of the said employee shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

### Schedule-I

Establishment No. Rites, New Delhi House, Berakhan he 27 Road, New Delhi, Code No. E/DL/5633

1. Purshotam Kapur .	. B2/174 Safdarjung Enclave, New Delhi-29.
2. Prabhjot Singh .	. H. No. 8 Road No. 9, Punjabi Bagh Extn., New Delhi-26,
3. R. Krishnamurty .	. 14 Erosum Road, Nannarpu- ram, Trichirapalli-6200020
4. N. B. Shahi	. Vill. Chainpur P. O. Tonda Distt, Gorakhpur U.P.
5. P. B. Mukherjee .	. 59 B, Diamond Harbour Road P.O. Barisha Calcutta-8.
5. Alok Kumar Dhole	. 24-D, Deshpriya Park West Calcutta-26.
'. Ashok Kumar Dutta- chaud	Flat A-1, 31 Harinath DE Road, Calcutta9.
I. Anindya Chakrabarty	. Vill. Paikpara, P.O. Nimta, Calcutta-49.
. Dulal Chan Ira Jana	. Vill. Hariara (Helabattala) Calcutta-59.

10. Dilip Kumar Das		3/1 Meghnad Saha Road, Deem Deera, Calcutta-74.
11. Chitta Ranjan Sen	Gupt.	1/1A Tara Road Calcutta-26.
12. B.M. Sharma		1-C, New Laylpur Colony, Krishna Nagar Delhi-51.
13. Krishna Mohan	. ,	MIG-44, Pocket D 10 Sector 7 Rohihi, New Delhi-85.
14. J.B. Ta .		VIII Raipur P.O. Kashiar Distt. Bushwar.
15. S.K. Sood .		Flat F2-Sravanti/153/1 Jessore Road, Calcutta.
16. Sakti Pada Roy		11/40, Edoson Road, Durga- pur-713205 (W. B.)
17, S.K. Bhanot .		437 Nilgiri Appts, New Delhi.
18. Bheem Sain .		C4D/42C Janakpuri, New Delhi -58.
19. S. Varadarajan		4/2 Giri Road, T. Nagar Madras-17.
20. M. Sreenivas		No. 1027 16th Central Cross Road, M.K.B. Nagar, Madres -39.
21. K.K. Vəriar		20 SIP Colony, Nanganllur Madras-61.
22. K. Jaya Kumar		M83/5 2nd Cross Besant Nagar, Madras-90.
23. T.B. Seshadri		No. 11 60 Feet Road, Banga- lore-79.
24. M. Krishna Kuma	r.	AH175 Auroville Flats, Anna- nagar, Madras-40.
25. N. Ramesh .		C-2 Prasanthi Flats T.M. Maishry St. Tirunmiyur, Madras-41.
26. R.K. Vaidyanatha	n.	F41, Pullder's Apptt. Block I, Airport Road, Ko DIHALLI, Bangalore-17.
27. K.P.M. Kutty		B.P. House, Chungam Pappinisseri-C705C1.
28. P. M. Pillai .		Jayanthi House, Thattanappal lil, Cheravally, Kayangulam, Kerala-69050.
29. M.C. Venugopal .		No. 51, Mehtanager, Madras-51.
30. K. Raghavan		189-Nagappa Nagar Chiere- petm, Madras-44.
31. S.R. Kerur .		510, 4th Block, 3rd Stage-I, Cross Basaveshwarnagar, Banglore-79.
32. V.C. Achari .		5-12-5, Bottayatote Vecch, Potuni-533401.
33. Krishna Murari La	ıl ·	F-15 South Extn-Part I New Delhi-110.

## The 3rd May 1991

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt-1/733.—WHEREAS, the comployers of the establishments mentioned in Schements) have applied for exemption under subsection 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

7. -7. -\_\_ AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed bereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-1 against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Vishakhapatnam from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

### SCHEDUI F-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspec-tion, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the life Insurance Corporation of India. ration of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would

- be payable had the employees been covered under the said Schme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the cmployees. the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heirs(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Exempt/89/Pt.I/759.---WHEREAS, employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible 1076. under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW. THERFFORE, IN exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hiereto, 1, no the conditions specified in schedule it affects, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Combatore from the operation of the said scheme for and upto a period of 3 years.

S. No. Name & Address of the estt.	Code No.	Effective date	C.P.F.G.'s File No.
1. M/s. South India Steel Industries, 110/1, B. Nattamangalam, Main Road,	TN/7429	1-5-88 to 28-2-90	2/3434/91-DL1
P. Box No. 207, Salem-636002.  2. M/s. Sri Meekashi Foundary, 177-A, Aerodrome Road, Singanallur,	TN/7807	1-8-88 to 31-7-91	2/3428/91-,.
Colmbatore-641005.*  3. M/s. Central Engg. Works. Central Studies Compound, Trichy Road, Singanallur (P.O.), Coimbatore-641005.	TN/8787	1-8-88 to 31-7-91	2/3426/91-
<ol> <li>M/s. Rangavale Industrics,</li> <li>5/44, A Mettupalayam Road,</li> </ol>	TN/10830	1-12-88 to 30-11-91	2/3415/91-
Thudiyalur Coimbatere-641034.  5. M/s. Arulmigu Kumaragiri Spinning Mills (P) I td., Sanayasigundu (P.O.) Salem-636003.	TN/17703	1-12-89 to 30-11-92	2/3425/91

1	2	}	4	5
6.	M/s. Annai Sathya Transport Corporation, Bharathi Puram, Selem, Main Road, Dhanmapuri-636705.	TN/21288	1-4-87 to 28-2-90	2/3266/90-DLI
7.	M/s. Sepathagiri Spinning Mills (P) Ltd., 134-Trichy Roed, Kannampalayam Post, Sulur (via) Coimbatore-641402.	TN/21312	1-3-89 to 28-2-90	2/3431/91,
8,	M/s. National Machine Works, Bharathi Nager, Ganapathy Coimbatore-641006.	TN/21423	1-8-89 to 28-2-90	2/3429/91-,,
9.	M/s. Jayalakshmi Machine Works, Bharathi Nagar, Ganapathy, Colmbatore-641006.	TN/21425	1-8-89 to 28-2-90	2/3427/91-**
10.	M/s. Mettur Spinning Mills Pvt. Ltd., Mettur Dam-636401, Sølem-Dist.	TN/1160	1-1-90 to 28-2-90	3/4/90-DL1

### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts. payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his es. blishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Schame of the Life Insurance Corporation of India as already 4—89 GI/91

adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- No. 2/1959/DLI|Exemp|89|Pt-1|745.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the gaid Act):
- AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):
- NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Visakhapatnam from the operation of the said scheme for and upto a period of three years.

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such neturns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Schme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal, heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt-I/751.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under force force of the Life neurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme. 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto. I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. KERALA from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act. within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the ostablishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the sallent features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the I ife Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under the Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the

- Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomine(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- N. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt-I/757.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedulc-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme):
- NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. KERALA from the operation of the said scheme for and upto a period of 3 years.

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, it on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group insurance Scheme the Lite Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- N. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt-I/763.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinatter referred to as the said establishments) have applied for eemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said cheme):
- NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Coimbatore from the operation of the said scheme for and upto a period of 3 years.

#### **SCHEDULE—I**

Sl. I	No. Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	M/s Kothari Industrial Corporation Limited, Unit Kothari Textiles Mills No. I, Singanallur P.O. Coimbatore-641005. Alongwith to Regd. Office Kothari Building, 114/117, Nungambakkim High Road, Madras-600034.	TN/67	1-11-88 to 31-10-91	2/3451/91-D.L.T.
2.	M/s. Church of South India Hospital, Dharampuram Periyar District Pin No. 638656.	TN/7607	1-12-88 to 28-2-90	2/3452/91-D.L.I.
3.	M/s. Avanashi Engineering Company, Cneyur Road, Avanashi-638654.	TN/16846	1-5-89 to 28-2-90	2/3453/91-L.I.J.
4.	M/s. The Periyar Co-operative Printing Works Ltd., Pariyar Nagar, Erode-638001, Pariyar District. Tamil Nada	TN/21269 u.	1-12-88 to 30-11-91	2/3455/91-D.1 .1.
5.	M/s. NSK Cotsyn Textiles (P) Ltd., 10/32 A, Pallapalayam Post, Sulur (via) Coimbatore-641405, T.N.	TN/21887	1-9-89 to 30-11-91	2/3454/91-DL.1.

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charge as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable nad the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval

- of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employee under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be Lable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India. and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Excmp/89/P(Ji/769.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Comissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned

in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C., Madras from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years,

#### SCHEDULE-I

Sl. 1	No. Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	M/s. Vecraraghava Textiles (P) Limited. Uthiramerur, Chingleput District-603406.	TN/7768	1-8-88 to 30-7-91	2/3345/91-DL)
2.	M/s. The Lutheran Christian Health and Medical Centre, Ambur-635802, N.A. District.	TN/10759	1-3-89 to 28-2 <b>-9</b> 2	2/3446/91-DLJ

#### SCHEDULE II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provides such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the satient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable

opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said. Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of Idda shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member ential, d for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- No. 2/1959/DL1/Exemp/89/Pt.I/775.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 or the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as th said Scheme);
- NOW. THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C., Coimbatore from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years.

== ..

#### SCHEDULE--I

SI, N	o. Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	M/s. Manju Electrical Industries Ltd., 2th Km. Pollachi Road, Malumichampatti Post, Coimbatore-641 021.	TN/7169	1-3-88 to 28-2-91	2/3497/91-DLl
P	M/s. G.T.V. Spinners Pvt. Ltd., ulankinar (P.O.) Udamalpet T.K Coimbatore District, Tamil Nadu.	TN/10661	1-3-89 to 29-2-92	2/3495/91 <b>-</b> DLI
S.	1/s. D.B.V. Cotton Mills Private Limited F. No. 206, Narasimhanaickenpalayem oimbatore-641031, Tamil Nadu.	TN/17775	1-8-88 to 31-7-91	2/3499/91- <b>DL</b> l
	I/s. Sri Aarvee Electrodes Limited, Laramaddi-641104 Coimbatore District Tamil Nadu.	TN/21480	1-2-88 to 31-1-91	2/3500/91-DLI

#### SCHEDULE II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (nerematter reterred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provides such rachities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance or accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, arongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premum in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Providut Fund Commisioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain recovered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- . Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominec(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.

### The 13th May 1991

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/781.—WHEREAS M/s. Maheshwari Mills Ltd., Shahibaug Road, Ahmedabad-380004 (GJ/309) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees- Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Comissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as th said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014/146/82-P.F.II (SS.II) dated 21-4-86 and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 4-9-88 to 3-9-91 upto and inclusive of the 3-9-91.

## **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employes the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc, within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to Iapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

- No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt/787.—WHEREAS M/s. Andhra Pradesh Tanneries Ltd. Lether complex Area, Nellimaria 531217 (AP/5498), have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisons Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).
- AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinfter referred to as the said Scheme).
- NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. notification no. S-35014/42/84/FPG/(SS. II) Dated 19-3-87 and subject to the conditions specified in Scheme II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 9-6-1990 to 8-6-93 upto and inclusive of the 8-6-93.

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (herein after to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (3) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employees, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heirs(s) of the employee as compensation.
- 2. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner

shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/793.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1972) hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B, N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C., Gujarat from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years.

### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C,'s File No.
(1)	- (2)	(3)	(4)	(5)
•	. Charotar Gramoddhar Sahkari Mandal Limited, labh Vidyanagar-388 120, Gujarat.	GJ/31-C	1-9-89 to 31-8-92	2/3432/91-DLI
,	s, Schutz Carbon Ele. Pvt. Limited, 1, G.I.D.C. Estate, Kalol (N.G.)	GJ/11351	1-2-89 to 31-1-92	2/3434/91- <b>D</b> 1 I
1-A Ash	s. Colour Lab, A, Suhasnagar, Behind Swastik Super Market, hram Road, Ahmedaba'-380009 cluding its branches under this code No.)	GJ/16230	1-7-89 to 30-6-92	2/3435/91-DL1

## SCHEDULE II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance piemia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay

necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of Indía.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10), where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legd heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

### The 14th May 1991

- No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt./803.—WHEREAS M s. Premier Industries C-14/1, Developed Plots. Estate. Trichira-palti-620015, Code No. TN/10589, have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Payident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);
- AHD WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more from the to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);
- NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Madurai from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-3-89 to 29-2-92.

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3, All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance oremia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in

- his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any teason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12 Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased number entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt-I 809.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);
- AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);
- NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C., Vadodara from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

#### SCHEDULE- I

S. No	. Nam+ & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	M/s Rinki Hydrocarbons Ltd. · · · · · 67, Race Course, ericle . Baroda-390007.	· · · GJ/4952-A	1-1-89 to 28-2-96	2/3466/91-DLI
	M/s Riuki Industrial Oils Ltd., 67, Race Course Circle, Baroda-390007	· · · GJ/7976	1-1-89 to 28-2-90	2/3471/91-DL1
	M/s Allipo Chemicals. 49, G.I.D.C. Makarpura, Baroda-390 010.	· · · GJ/10027	1-4-83 to 28-2-90	2/3472/ <b>91-DL</b> [
2	M/s Dynamic Packagings 216, G.I.D.C. Makarpura. Baroda-390010	· GJ/10788	1-8-88 to 28-2-90	2/3460/91-DLI

### SHCEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall sumbit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts. Payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstending anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominec(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) legal heir(s) of the deceased member entitled for it and n any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
- No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/815.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);
- AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentional against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. from the operation of the said scheme for and upto a period of three years.

- --- -- --- --- -

#### SCHEDULE-I

\_\_\_\_

St. No. None & affrost of the establishment			Code No.		Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.	
(1)	(2)				(3)	(4)	(5)
1.	M/s Esquire Engineers, Plot No. 637, G.I.D.C. Estate, Makarpura-390 010.	<b>-</b>		,	· GJ/11709-B	1-3-90 to 28-2-93	2/3489/91-DLI.
2.	M/s Panchmahal Cement Co. Ltd., Village Chhapri. Post Box No. 35. Dahod-389151.			•	· GJ/11599	1-3-90 to 28-2-93	2/3490/91-DLI.
) <u> </u>	M's Prove Caucowile Steamies, C-29A, Sardar Ind. Estate., Ajwa Road, Baroda-390019.	•	•	•	· GJ/12219	1-12-89 to 30-11-92	2/3490/91-DLI.
4.	M/s Prorna Chemicals, 94-B, C.I.D.C. Nandesari-391340 Dist. Baroda.	-		٠	· GJ/14572	1-1-88 to 28-2-90	2/3405/91-DL1.
5.	M/s Advance Caemicals Pvt. Ltd., Matrukrupa, 58, Sampatrao Colony, Alkapari. Baroda-390005.	-	•		· GJ/16814	1-4-90 to 31-3-93	2/3492/91-DLI.
6.	M/s Matrix systems, C-29/A, Ground Floor, Sardar Ind. Estate Ajwa Road, Baroda-390019.		٠	•	· GJ/17395	1-12- <b>89</b> to 3 <b>0</b> -11-92	2/3493/91-DL(.
7.	M/s 3 v :  d Arc. Bioetrodes (P) Limited., 486/B/2., G.I.O.C Microura, Biroda-390010				GJ/17450	1-10-89 to 39-9-92 to	2/3494/91-DLI.

### SCHEDULE II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more

favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the mamber covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of

India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. FP1(136)/91/799.—WHEREAS M/s. Indian Petrochemicals Corporation Ltd., (Code No. Gl/5256) Dist. Vadodara, Gujarat has forwarded applications in respect of its employees whose name is/are, reflected in Schedule-I annexed for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 under section 17(1-C) of Employees Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952);

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the benefits in the nature of Family Pension under the Government of India Pension Rules (C.C.S. Pension Rules) applicable to these individual employees of the said establishment are more favourable than the benefits provided under the Employees Family Pension Scheme, 1971;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1-C) of section 17 of the said Act, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, hereby exempt, the individual employees of the said establishment as given in the Schedule-I to this notification who were under the employment of the Central Government before absorption in the above establishment and were governed by the C.C.S. Pension Rules, from the operation of all provisions of the Employees Family Pension Scheme, 1971 with effect from the date of issue of the Notification or from the last date of service of those who retired after exercising option from the following terms and conditions:

(1) these employees will not be entitled to or claim any benefit(s) under the Employees' Family Pension Scheme, 1971 from the date of exemption.

- (2) Option once exercised for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme. 1971 will be irrevocable.
- (3) The employer in relation to each of the said employees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

### SCHEDULE-1

Establishment: M/s. Indian Petrochemicals Corporation Limited, Distt. Vadodara, Gujarat.

Code No.

GJ/5256

Sl. No.	Name			Address
1. Sh. R.O	C. Parekh	-	,	Near Itwart City Plst Office, In Front of "VL" State Company Nagpur- 440002.
2. Sh. S.G	. Shaikh			B-1, Sahayog, Gorwa Vadodara-390016,
3. Sh. Gov	vind Pande		•	Naini Lodge (Cantt. Nainital, U.P.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner.